पहला डिजिटल साक्षर राज्य बनने जा रहा केरल!

सदी पार की उम्र, टेक्नॉलजी के संग शुरू किया नया सफर

105 साल की उम्र में बने डिजिटल साक्षर

साक्षरता प्रचारक और पंचायत कोऑर्डिनेटर जया सीआर ने बताया कि दो महीने चली ट्रेनिंग में अब्दुल्ला और बाकी लोगों को स्मार्टफोन की बेसिक चीजें सिखाई गईं। इसमें मेसेज, विडियो कॉल, बिल चुकाना और सरकारी ई-सेवाओं का इस्तेमाल करना शामिल था।

Sreerag.PS@timesofindia.com

■ **कोच्चि:** 105 साल की उम्र में स्मार्टफोन चलाना सीखने वाले केरल के **एम.ए. अब्दुल्ला मौलवी** का जन्म उस दौर में हुआ था, जिसे पश्चिम में रोअरिंग ट्वेंटीज कहा जाता है। आज 105 साल की उम्र में उन्होंने तकनीक से अपनी नई पहचान बनाई है। अब्दुल्ला अब पूरी तरह से डिजिटल साक्षर हो गए हैं और स्मार्टफोन पर इंटरनेट इस्तेमाल कर सकते हैं।

अब्दुल्ला ने बताया कि पंचायत से ट्रेनिंग मिलने के बाद अब मैं स्मार्टफोन पर इंटरनेट चला सकता हूं और खबरों से जुड़ा रहता हूं। अब्दुल्ला उन 22 लाख लोगों में शामिल हैं, जिन्हें केरल सरकार के 'डिजी केरलम' प्रोजेक्ट के तहत डिजिटल साक्षरता की ट्रेनिंग दी गई है। अब्दुल्ला एर्नाकुलम जिले के ओडक्कली (पेरुंबवूर) के रहने वाले हैं। उनके बेटे फैसल अली ने बताया कि लॉकडाउन के समय अखबार आने बंद हो गए थे। वो हमारे फोन पर न्यूज चैनल देखते थे। जब डिजी केरलम के वॉलंटियर्स ने पूछा कि क्या वो डिजिटल साक्षर बनना चाहेंगे, तो उन्होंने तुरंत हां कर दी।

'डिजी' पहल

- सिर्फ असमन्नूर पंचायत में ही 2,592 लोग डिजिटल साक्षर बने हैं।
- साक्षरता प्रचारक जया ने बताया कि हमारा टारगेट 16 से 40 साल के लोग थे, पर हमने हर इच्छुक शख्स को बुलाया था, हमारा मकसद था कि डिजिटल युग में कोई भी पीछे न रहे।
- राज्यभर में 22 लाख से ज्यादा लोग इस प्रोजेक्ट का फायदा उठा चुके हैं।
- **अब मुख्यमंत्री पिनाराायी विजयन 21 अगस्त को यानि आज केरल को पूरी तरह डिजिटल साक्षर राज्य घोषित करने की तैयारी में हैं।**